135. [*Transferred to 8th December 1993.*]

**Article Published on Producers' Subsidy Equivalent**

136. SHRI BHUPINDER SINGH MANN : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government are aware of the article by Shri Pradip K. Sharma published in the "India Journal of Agriculture Economics" issue of July—September, 1992 regarding estimates of Producers' Subsidy Equivalent (P.S.E.) ;

(b) whether on an average such negative subsidy/tax of 36.47 per cent during the decade 1980—1990 was exacted from the farmers in the country on their production ; and

(c) whether any other sector except agriculture is also made to pay such a heavy tax on its production ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM) : (a) Yes, Sir.

(b) There are several research studies indicating the subsidy paid to agriculture. According to the study by Shri Pradip K. Sharma, Producers' Subsidy Equivalent works to (—) 9.1 per cent according to one method and (—) 36.74 per cent according to another method. This study covers only cereal crops. However, there are several other research studies which indicate that either the Producers' Subsidy Equivalent was plus or was negative to some extent.

(c) There is no direct tax on agricultural production whereas manufactured goods are subject to various levies and taxes.

**गुजरात में सौराष्ट्र और कच्छ में सूखा और जल की कमी**

137. **श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन :**

**श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल :**

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गुजरात में लगातार सूखे की स्थिति और पानी की कमी के कारण कृषि उत्पादन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है और यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए क्षेत्रों का जिला-वार ब्यौरा क्या है ?

(ख) क्या गुजरात में सूखा प्रभावित क्षेत्रों के संबंध में कोई विस्तृत रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत की गई है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या गुजरात सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता की मांग की है और केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई वित्तीय सहायता का जिला-वार ब्यौरा क्या है ;

(घ) क्या सरकार ने उपर्युक्त क्षेत्रों में कृषि उत्पादन के लिए सिंचाई हेतु और उन क्षेत्रों में पीने के पानी की आपूर्ति के लिए कोई विशेष कार्य-योजना बनायी है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) इन क्षेत्रों में 31 अक्तूबर, 1993 तक जलाशयों की जिलावार अद्यतन स्थिति क्या है ?

**कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम)** : (क) गुजरात सरकार ने सूचित किया है कि सौराष्ट्र तथा कच्छ क्षेत्रों में वर्ष 1993-94 के खरीफ मौसम में मानसून वर्षा कम होने से कृषि उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। सौराष्ट्र तथा कच्छ क्षेत्र में 91-92, 92-93 तथा 93-94 (खरीफ) में खाद्यान्न, तिलहन तथा कपास के उत्पादन में हुई हानि का विवरण अनुपत्र में दिया गया है। [देखिए परिशिष्ट 169, अनुपत्र सं० 10]।

(ख) और (ग) जी, नहीं।

(घ) सिंचाई नीति के निरूपण तथा परियोजनाओं के चयन के समय गुजरात सरकार ने सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र में मानसून के बार-बार विफल होने से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को ध्यान में रखा है। तथापि, वर्ष 1993-94